प्रधानाध्यापक Headmaster - प्रधानाचार्य जो प्रधान – आचार्य दो शब्दों से मिलाकर बनाया गया है जिसका मतलब होता है किसी विद्यालय या स्कूल का प्रधान या सर्वप्रमुख अध्यापक। इसे अंग्रेजी में Principal कहा जाता है।

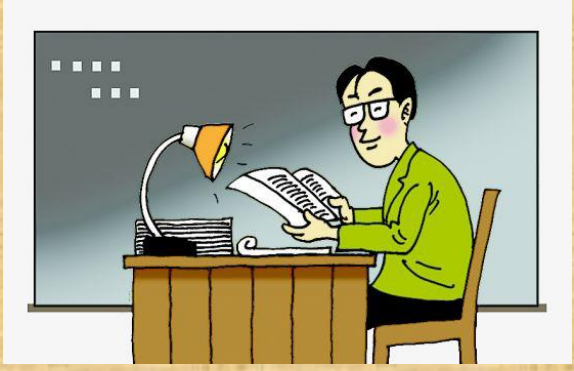

सरकारी – शासकीय – Governmental - भारत सरकार, [जिसे अक्सर GoI के रूप में संक्षिप्त किया जाता है] भारत की संविधान द्वारा बनाई गई केंद्रीय सरकार है, जो कि अट्ठाईस राज्यों के संघ के विधायी, कार्यकारी और न्यायिक अधिकार और संवैधानिक रूप से लोकतांत्रिक गणराज्य के आठ केंद्र शासित प्रदेश हैं। सरकार की सीट भारत की राजधानी नई दिल्ली में स्थित है।

पाठशाला – शिक्षालय – School - विद्यालय एक ऐसा स्थान है, जहां लोग बहुत कुछ सीखते हैं और पढ़ते हैं। इसे ज्ञान का मंदिर कहा जाता है। अपने विद्यालय या पाठशाला में हम सब जीवन का सबसे ज्यादा समय व्यतीत करते हैं जिसमे हम कई विषयों में शिक्षा लेते हैं। स्कूल में हमारे अध्यापक गण अपना ज्ञान हमें प्रदान कर सफलता पाने का सही रास्ता दिखाते हैं।

महोदय – महोदय – Sir एक शिक्षक (जिसे स्कूली शिक्षक या औपचारिक रूप से, एक शिक्षक भी कहा जाता है) एक ऐसा व्यक्ति है जो छात्रों को ज्ञान, योग्यता या पुण्य प्राप्त करने में मदद करता है। अनौपचारिक रूप से शिक्षक की भूमिका किसी के द्वारा भी ली जा सकती है (जैसे कि किसी सहकर्मी को किसी विशिष्ट कार्य को करने के लिए कैसे दिखाया जाए)। कुछ देशों में, स्कूली उम्र के युवाओं को पढ़ाने का काम अनौपचारिक सेटिंग में किया जा सकता है, जैसे कि परिवार (होमस्कूलिंग) में, औपचारिक सेटिंग की बजाय स्कूल या कॉलेज में। कुछ अन्य व्यवसायों में एक महत्वपूर्ण मात्रा में शिक्षण (जैसे युवा कार्यकर्ता, पादरी) शामिल हो सकते हैं। अधिकांश देशों में, छात्रों का औपचारिक शिक्षण आमतौर पर भुगतान किए गए पेशेवर शिक्षकों द्वारा किया जाता है।

विवाह – विवाह – Marriage - भारतीय परम्परा में विवाह एक महत्त्वपूर्ण संस्कार है । लड़का हो अथवा लड़की, दोनों की ही शादी यथा सम्भव धूमधाम से सम्पन्न होती है । प्रत्येक माता–पिता यथा शक्ति और कभी–कभी सीमा से बाहर जाकर भी खर्च करते हैं । नव्यता और भव्यता आज के समाज का अभिन्न अंग हैं ।

हैदराबाद – Hyderabad हैदराबाद (तेलुगु: హైదరాబాదు,उर्दू: حیدرآباد) भारत के राज्य तेलंगाना कि राजधानी है। यह नगर दक्कन के पठार पर मूसी नदी के किनारे स्थित है। हैदराबाद शहर की आबादी 6.9 मिलियन है, हैदराबाद मेट्रोपॉलिटन रीजन में लगभग 9.7 मिलियन के साथ, यह भारत का चौथा सबसे अधिक आबादी वाला शहर है और भारत में छठा सबसे अधिक आबादी वाला शहरी समूह है। 74 बिलियन अमेरिकी डॉलर के उत्पादन के साथ, हैदराबाद भारत के समग्र सकल घरेलू उत्पाद में पांचवां सबसे बड़ा योगदानकर्ता है। 1956 से, हैदराबाद शहर ने भारत के राष्ट्रपति के शीतकालीन कार्यालय को रखा है। 20वीं शताब्दी के दौरान दक्कन का पठार और पश्चिमी घाट के बीच हैदराबाद के केंद्रीय स्थान और औद्योगिकीकरण ने प्रमुख भारतीय अनुसंधान, विनिर्माण, शैक्षिक और वित्तीय संस्थानों को आकर्षित किया। 1990 के दशक के बाद से, शहर फार्मास्यूटिकल्स और जैव प्रौद्योगिकी के भारतीय केंद्र के रूप में उभरा है। सूचना प्रौद्योगिकी के लिए समर्पित विशेष आर्थिक क्षेत्रों और हाईटेक सिटी के गठन ने अग्रणी बहुराष्ट्रीय कंपनियों को हैदराबाद में परिचालन स्थापित करने के लिए प्रोत्साहित किया है।

शहर में स्थित तेलुगु फिल्म उद्योग देश का दूसरा सबसे बड़ा चलचित्र चलचित्र निर्माता है। कहा जाता है कि किसी समय में इस खुबसूरत शहर को कुतुबशाही परम्परा के पांचवें शासक मुहम्मद कुली कुतुबशाह ने अपनी प्रेमिका भागमती को उपहार स्वरूप भेंट किया था। हैदराबाद को 'निजाम का शहर' तथा 'मोतियों का शहर' भी कहा जाता है। यह भारत के सर्वाधिक विकसित नगरों में से एक है और भारत में सूचना प्रौधोगिकी एवं जैव प्रौद्यौगिकी का केन्द्र बनता जा रहा है। हुसैन सागर से विभाजित, हैदराबाद और सिकंदराबाद जुड़वां शहर हैं। हुसैन सागर का निर्माण सन १५६२ में इब्राहीम कुतुब शाह के शासन काल में हुआ था और यह एक मानव निर्मित झील है। चारमीनार, इस क्षेत्र में प्लेग महामारी के अंत की यादगार के तौर पर मुहम्मद कुली कुतुब शाह ने १५९१ में, शहर के बीचों बीच बनवाया था। गोलकुंडा के कुतुबशाही सुल्तानों द्वारा बसाया गया यह शहर खुबसूरत इमारतों, निजामी शानो–शौकत और लजीज खाने के कारण मशहूर है और भारत के मानचित्र पर एक प्रमुख पर्यटन स्थल के रूप में अपनी अलग अहमियत रखता है। निजामोन के इस शहर में आज भी हिन्दू–मुस्लिम सांप्रदायिक सौहार्द्र से एक–दूसरे के साथ रहकर उनकी खुशियों में शरीक होते हैं। अपने उन्नत इतिहास, संस्कृति, उत्तर तथा दक्षिण भारत के स्थापत्य के मौलिक संगम, तथा अपनी बहुभाषी संस्कृति के लिये भौगोलिक तथा सांस्कृतिक दोनों रूपों में जाना जाता है। यह वह स्थान रहा है जहां हिन्दू और मुसलमान शांतिपूर्वक शताब्दियों से साथ साथ रह रहे हैं। निजामी ठाठ–बाट के इस शहर का मुख्य आकर्षण चारमीनार, हुसैन सागर झील, बिड़ला मंदिर, सालार जंग संग्रहालय आदि है, जो देश–विदेश इस शहर को एक अलग पहचान देते हैं। यह भारतीय महानगर बंगलौर से 574 किलोमीटर दक्षिण में, मुंबई से 750 किलोमीटर दक्षिण–पूर्व में तथा चेन्नई से 700 किलोमीटर उत्तर–पश्चिम में स्थित है। किसी समय नवाबी परम्परा के इस शहर में शाही हवेलियां और निजामों की संस्कृति के बीच हीरे जवाहरात का रंग उभर कर सामने आया तो कभी स्वादिष्ट नवाबी भोजन का स्वाद। इस शहर के ऐतिहासिक गोलकुंडा दुर्ग की प्रसिद्धि पार–द्वार तक पहुंची और इसे उत्तर भारत और दक्षिणांचल के बीच संवाद का अवसर सालाजार संग्रहालय तथा चारमीनार ने प्रदान किया है। भारत की जनगणना २०११ के अनुसार इस महानगर की जनसंख्या ६८ लाख से अधिक है।

Brainbox learn easy

Brainbox
learn easy